|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Horoscope Website : https://JyotishShastra.com
AstroShopper (Astro Products Online Super Store) **:** https://AstroShopper.in
Email : care@jyotishshastra.com
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Usha Solanki	GENDER :	Female
DATE OF BIRTH :	14-03-1989	TIME OF BIRTH :	03:45 AM
CITY :	Junagadh	STATE :	Gujarat
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Astrology	SERVICE NAME :	Marriage Report
QUESTION(S) :	When will I get married? Love marriage or arrange marriage?		
Address : Rajkot			
Mobile No. : 7600055131	Email ID : ushasolankit20@gmail.com		
ORDER ID : #1085	PAYMENT ID : 315918170	AMOUNT : ₹570	
Order Date : 19/04/2020	Delivery Date : 22/04/2020	GSTIN : ####	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	मकर
चंद्र राशि :	वृषभ
ईष्ट देव :	शुक्र देव

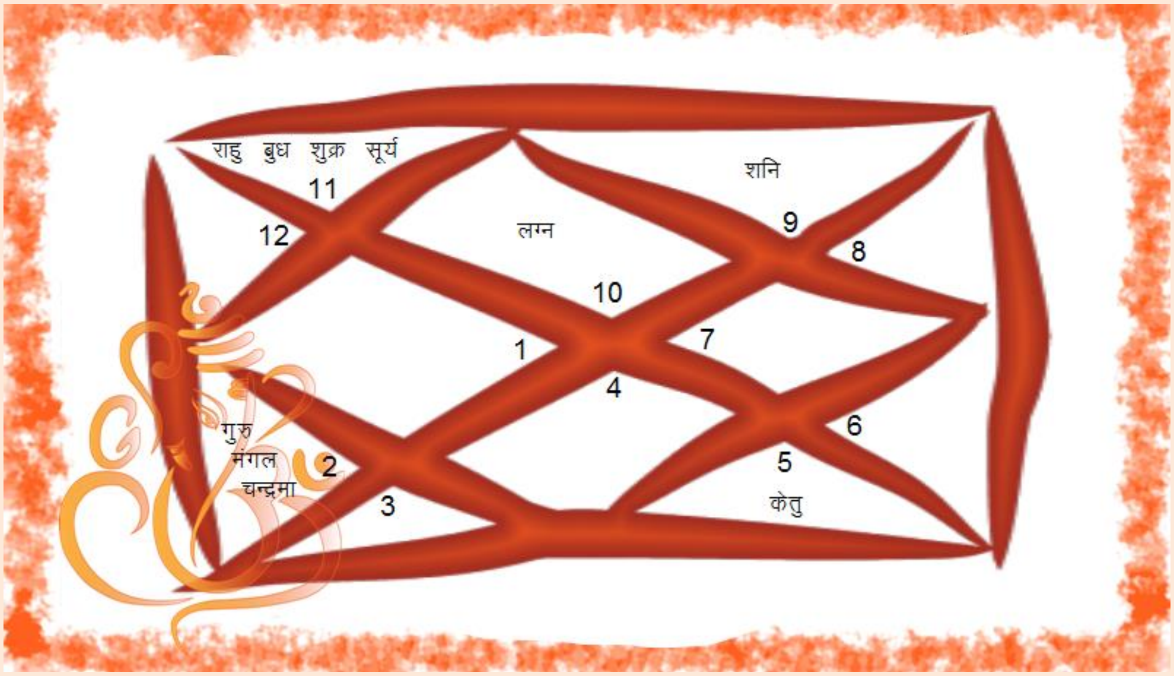

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

उषा सोलंकी जी आपकी कुंडली मकर लग्न की है | लग्न उदित अवस्था में है | लग्न का स्वामी शनि ग्रह लग्न के द्वादश होकर लग्न को हानि पहुंचा रहा है | लग्न के स्वामी की दूसरी राशि कुम्भ कुंडली के द्वितीय भाव में स्थित है जहां पर राहु, बुध, शुक्र एवं सूर्य स्थित हैं, जो की अच्छी स्थिति नहीं है | लग्न पर एक नरसेंगिक शुभ ग्रह बृहस्पति की नवम दृष्टि है जो किन्तु बृहस्पति स्वमं अच्छी स्थिति में नहीं हैं | अतः आपकी कुंडली का लग्न कमजोर स्थिति में है जिस कारण आपको जीवन में अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़े इसकी पूर्ण संभावना बनती है एवं आप स्वमं इन कठिन परिस्थितियों से उबरने में पूर्णतया सक्षम न हो सकें इसकी संभावना बनती है | उदर पेट सम्बंधित रोग आपको आक्रांत करें इसकी संभावना बनती है |

कुंडली के अनुसार आपके जीवन में सुख, वैभव, शांति का आभाव रहेगा अर्थात जितना मिलना चाहिए था, उतना नहीं मिल पायेगा | स्वभाव से आप क्रोधी, मूडी, चंचल मन वाली एवं अपनी माता की दुलारी होंगी |

आपके द्वारा पूछे गए प्रश्नो के आधारस्वरूप कुंडली के अन्य भावों एवं ग्रहों का गहनता से विश्लेषण करने पर मैं इस निर्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि अपने चंचल मन के कारण आपका विवाह एक प्रेम विवाह होगा, इसकी संभावना हैं | संभवतः आप अपने कुटुंब अपने परिवार के विरुद्ध जाकर विवाह करेंगी | वर्तमान समय स्थिति अनुसार आपका विवाह 24-01-2021 तक होने के पूर्ण योग बनते हैं, यह समय छूटने पर अगला योग 01-01-2022 से प्रारम्भ होगा |

एक ज्योतिषी होने के नाते मैं आपसे आपके जीवन घटनाक्रम के सम्बन्ध में कुछ छुपाऊं, ऐसा करना मुझे उचित नहीं लगता अतः मैं आपको बतला दूँ कि आपकी जन्म कुंडली अनुसार विवाह पश्चात आपका विच्छेदन होने कि भी पूर्ण संभावना बनती हैं, वैवाहिक जीवन स्टेबल नहीं रहे एवं सेटल न हो इसकी भी संभावना हैं | आपको कानूनी लड़ाई झगड़ों में भी उलझना पड़ सकता हैं जिसे आप अकेले लड़ने में सक्षम नहीं हो पाएंगी, आपको अपने परिवार की आवश्यकता पड़ेगी |

विधि के विधान को कोई टाल नहीं सकता किन्तु ज्योतिष के प्रकाश में घटना के प्रभाव को घटाया - बढ़ाया जा सकता हैं | अतः मेरा आपको निजी परामर्श हैं कि आप विवाह अपने परिवार के विरुद्ध जाकर बिलकुल न करें | अपना जीवन साथी स्वमं न चुने, यह अवसर अपने परिवार को दें, उनके आशीर्वाद की छत्रछाया तले विवाह करें | निम्नलिखित उपायों एवं परिवार की अनुमति - सहमति के साथ विवाह करने पर वैवाहिक सम्बन्ध के विच्छेदन, उसमें वैमनस्य आक्रोश की तीव्रता को कम करने व टालने, सुख शान्ति बनाये रखने में एवं भविष्य में आने वाली कठिन परिस्थितियों से जूझने में आपको सुगमता व सफलता अवश्य ही प्राप्त होगी | आपको अपने चंचल मन एवं अपनी भावनाओ पर भी काबू रखना होगा |

संभवतः आपके गलत निर्णय के परिणामस्वरूप आपकी अधिक हानि न हो विधाता ने इसी कारण आपको समय रहते ज्योतिष परामर्श लेने के लिए प्रेरित भी किया हैं |

विशेष उपाय :-

♦ बृहस्पति देव को प्रसन्न करने से आपका कुंडली स्थित सुख, विद्या, संतान, भाग्य सम्बंधित भाव एक्टिवटे होंगे | अतः शुक्ल पक्ष के प्रथम बृहस्पतिवार से "ॐ बृं बृहस्पतये नम:" मन्त्र का एक रुद्राक्ष माला प्रतिदिन निर्विघ्न जप करें | विवाह उपरान्त भी वर्ष 2027 तक करती रहें |

♦ विधि विधान पूर्वक बृहस्पति देव को प्रसन्न करने हेतु व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम बृहस्पतिवार से रखना प्रारम्भ करें | विवाह उपरान्त भी वर्ष 2027 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को निर्विघ्न व्रत करती रहें |

♦ बृहस्पति आपकी कुंडली में मारक भाव में हैं एवं मारक ग्रह के प्रभाव में भी हैं अतः आपके लिए बृहस्पति की वस्तुओं का दान करना भी लाभकारी रहेगा | इसमें आप बृहस्पतिवार को (चने की दाल घोड़ों को खिलाएं / बेसन के लड्डू किसी बुजुर्ग को खिलाएं व उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें / पीले अथवा भगवा वस्त्र किसी साधू अथवा बुजुर्ग को चरण स्पर्श कर दान दें / चलते पानी में नारियल अथवा बादाम बहाएं / गाय को गुड़ खिलाएं) एक बार में कोई एक दान कर्म ही करें | सभी दान कर्मों का फल बराबर ही प्राप्त होगा | समय, सुलभता, परिस्थिति, उपलब्धता अनुसार ही दान कर्म करें |

♦ विवाह को सफल करने हेतु एकादश भाव को एक्टिवटे करना होगा अतः मंगल ग्रह के मंत्र "ॐ अं अंगारकाय नम:" का एक रुद्राक्ष माला जप शुक्ल पक्ष के मंगलवार से प्रारम्भ कर प्रतिदिन निर्विघ्न करती रहे जब तक की समय अनुकूल न आ जाए, आप आजीवन भी कर सकती हैं |

♦ सप्तम भाव से लाभ प्राप्त करने हेतु चन्द्रमा को प्रसन्न करना होगा अतः चन्द्रमा के मन्त्र शुक्ल पक्ष के किसी सोमवार से एक रुद्राक्ष माला जप करना प्रारम्भ करें व विवाह उपरान्त भी निरंतर करती रहें |

♦ चन्द्रमा आपकी कुंडली में मारक हैं अतः आपके लिए चन्द्रमा से सम्बंधित वस्तुएं दान करना भी लाभकारी सिद्ध होगा | इसके लिए दही दूध का दान करें | घर आये अतिथियों को प्रसन्न मन से दूध पिलाएं|

♦ आपके ईष्ट देव शुक्र हैं जो आपकी कुंडली में सूर्य के प्रभाव से अस्त हैं एवं अपना शुभ प्रभाव देने में अल्प समर्थ हैं | शुक्र देव की यह स्थिति सुख, वैभव, शान्ति का आभाव दर्शाती हैं | अतः इन सबकी प्राप्ति हेतु आप शुक्र देव को प्रसन्न करें जिसके लिए उनके मन्त्र "ॐ शुं शुक्राय नम:" का एक रुद्राक्ष माला जप प्रतिदिन किसी शुक्ल पक्ष के शुक्रवार से प्रारम्भ कर निरंतर आजीवन करती रहें |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |